University in News on 07 October 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

स्थापना दिवस | विद्यार्थियों ने दीवारों पर सुंदर चित्र उकेरने के साथ जमीन पर सजाई रंगोली

...और 112 साल बाद फिर जवां हो उठा आर्ट्स कॉलेज

माई सिटी रिपोर्टर

परिसर में पड़े कबाड़ से बना दिया महाविद्यालय का द्वार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का कला एवं शिल्प महाविद्यालय शुक्रवार को अपने 112वें स्थापना दिवस पर एक बार फिर जवां हो उठा। इस खास अवसर पर यहां के विद्यार्थियों ने दीवारों पर सुंदर चित्र उकेरे। इसके साथ ही जमीन पर रंगोली सजाई और परिसर में पड़े कबाड़ को आकर्षक रूप देकर महाविद्यालय का द्वार बना दिया।

कॉलेज के प्रांगण में प्रवेश करते ही दीवार पर बनी चित्रकारी रामायण की कहानी बयां कर रही थी। एसकेडी कॉलेज के स्टॉल पर विद्यार्थियों ने कला के माध्यम से मन मोहा तो लविवि के विद्यार्थियों की ओर से तैयार मूर्तियों की बारीकियां देख सभी दंग रह गए। टेक्सटाइल विभाग की प्रदर्शनी में स्टूडेंट्स ने कपड़ों पर आकर्षक डिजाइनिंग प्रदर्शित की। प्रदर्शनी को जिसने देखा, वह तारीफ किए बिना नहीं रहा सका।

कृतियां मूल हों और हो भारतीयता का समावेश : समारोह के मुख्य अतिथि लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विद्यार्थियों से उनकी कृतियों में भारतीयता का समावेश करने का मार्गदर्शन दिया। समाज कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने कहा कि विद्यार्थियों की कृतियां मूल कृति हों, किसी का अनुकरण नहीं। गोरखपुर विवि की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने इन दोनों सुझावों पर अमल करने के लिए कहा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रतन कुमार ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर डॉ. आलोक कुमार, डॉ. अनीता कनौजिया, डॉ. सपना बाजपेई थे।

आर्ट्स कॉलेज के स्थापना दिवस पर विद्यार्थियों ने रंगोली सजाई। लविवि कुलपति ने देखी चित्रकारी। - अमर उजाला

कॉलेज को देना होगा छात्रों की उपस्थिति का रिकॉर्ड

संवाद न्यूज एजेंसी

प्रोफेशनल कोर्सों में पढ़ाई के स्तर की समीक्षा के लिए लविवि मांगेगा ब्योरा

लखनऊ। प्रोफेशनल कोर्सों में पढ़ाई का स्तर सुधारने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय ने कमर कस ली है। संबद्ध कॉलेजों में विद्यार्थियों की स्थिति का आकलन किया जाएगा। इसके लिए कॉलेजों से उनके यहां चल रहे प्रोफेशलन कोर्स में छात्रों की उपस्थिति का रिकॉर्ड मांगा जा रहा है।

लविवि से संबद्ध 575 कॉलेजों में से 300 में चलने वाले प्रोफेशनल कोर्सों में छात्रों की उपस्थिति बेहद कम मिलती है। कई जगह सिर्फ कागज पर क्लास चलने की बात भी सामने आती है। इसके साथ ही कई कॉलेजों में छात्र संख्या पर्याप्त न होने के बावजूद छात्र कोर्स में पास हो जाते हैं। कॉलेज प्रबंधन खराब प्रदर्शन के बाद भी मोटी फीस मिलने से ये कोर्स चला रहे हैं।

पेशेवर पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की उपस्थिति 75 प्रतिशत से कम मिलती है या उसमें पर्याप्त छात्र नहीं होते हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। इससे इन पाठ्यक्रमों की शैक्षिक स्थिति में सुधार आएगा। यह नियम लागू होने से निजी कॉलेजों की अनियमितताओं पर भी रोक लगेगी।

कई जगह सिर्फ नाम के शिक्षक

लखनऊ विश्वविद्यालय ने भले ही यह नियम विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़वाने के लिए निकाला हो, पर बताया जा रहा है कि असल मंशा इससे कहीं बढ़कर है। बताया जाता है कि काफी कॉलेज ऐसे हैं, जहां शिक्षकों का अनुमोदन तो कराया जाता है, पर उन्हें बुलाया नहीं जाता। ये शिक्षक सिर्फ कागज पर मौजूद होते हैं और मान्यता चलती रहती है। अब विद्यार्थियों की उपस्थिति सामने आने के साथ क्लास लेने वाले शिक्षक का ब्योरा भी आएगा। इस तरह से शिक्षक की उपस्थिति का सत्यापन भी हो जाएगा।

जल्द जारी किए जाएंगे निर्देश

स्ववित्तपोषित कॉलेजों में चलने वाले व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता बढ़ाने और उनकी स्थिति का आकलन करने के लिए पढ़ने वाले विद्यार्थियों की उपस्थिति का रिकॉर्ड मांगा जाएगा। इस संबंध में जल्द निर्देश जारी किए जाएंगे। -प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लविवि

प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण 23 तक

लखनऊ। लविवि के विधि संकाय के प्रो. बोनो क्लब के सहयोग से होने वाली क्लाइंट काउंसिलिंग प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण शुरू हो गए हैं। शहर के सभी महाविद्यालयों के विद्यार्थी इसमें भाग ले सकते हैं। अंतिम तिथि 23 अक्तूबर है। विद्यार्थी विभाग की ओर से जारी गूगल फॉर्म लिंक से पंजीकरण करवा सकते हैं। इसका शुल्क 500 रुपये है। अधिक जानकारी के विद्यार्थी विभाग में संपर्क कर सकते हैं। (संवाद)

NBT PAGE 5

स्थापना दिवस पर दिखे हुनर के रंग

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू के ऐतिहासिक धरोहर कला एवं शिल्प महाविद्यालय के 112वें स्थापना दिवस के तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुक्रवार शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि यूनिवर्सिटी वीसी प्रो आलोक कुमार राय और विशिष्ट अतिथि के रूप में डीडीयू गोरखपुर यूनिवर्सिटी कुलपति प्रो पूनम टंडन व समाज कल्याण प्रमुख सचिव डॉ हरिओम मौजूद रहे। कुलपति प्रो आलोक कुमार ने छात्रों को कलाकृतियां बनाने को लेकर मार्गदर्शन दिया । प्रदर्शनी के बाद छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की फ्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम में डॉ सपना बाजपेई, डॉ अनीता कनौजिया, महाविद्यालय के संकायाध्यक्ष व प्रधानाचार्य डॉ रत्तन कुमार मौजूद रहे।

JAGRAN CITY PAGE III

लवि में बी.टेक. की खाली सीटों पर सीधा प्रवेश आज से

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में दो चरणों की काउंसिलिंग के बाद बी.टेक. पाठ्यक्रम में सीटें खाली हैं। अब इन पर सीधे प्रवेश की सुविधा शुक्रवार से शुरू होगी। अभ्यर्थियों को सात, नौ और 10 अक्टूबर तक प्रवेश का मौका दिया गया है। प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर पंकज माथुर ने इसका नोटिफिकेशन वेबसाइट पर जारी कर दिया।

लवि पिछले साल तक एकेटीयू के माध्यम से बी.टेक. पाठ्यक्रम में दाखिले लेता था। लेकिन इस बार खुद ही प्रवेश लेने की प्रक्रिया अपनाई गई। दो चरणों की काउंसिलिंग प्रक्रिया पूरी होने के बाद बी.टेक. सिविल इंजीनियरिंग, बी.टेक. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और बी.टेक. मैकेनिकल इंजीनियरिंग में सीटें खाली हैं। अब इन सीटों पर सीधे प्रवेश दिए जाएंगे। अभ्यर्थियों को निर्धारित समय से लवि के जानकीपुरम स्थित इंजीनियरिंग संकाय में पहुंचना होगा।

ये होगा प्रवेश लेने का समय

सात अक्टूबर : दोपहर दो बजे से

नौ व 10 अक्टूबर : सुबह 10 बजे से

प्रतियोगिता 26 से

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के प्रो बोनो क्लब की ओर से पहली इंटर-कालेजिएट क्लाइंट काउंसिलिंग प्रतियोगिता 26 से 28 अक्टूबर तक होगी। इसके लिए 23 अक्टूबर तक पंजीकरण किए जा सकेंगे। विधि संकाय के डीन प्रोफेसर वीडी सिंह ने बताया कि आफलाइन माध्यम से होने वाली इस प्रतियोगिता में लखनऊ के सभी कालेजों के विधि के विद्यार्थी शामिल हो सकेंगे। (जासं)

'रचना तभी सफल, जब आप उसमें स्वयं हों'

कला एवं शिल्प महाविद्यालय के स्थापना दिवस पर बोले कुलपति, प्रमुख सचिव ने किया प्रदर्शनी का अवलोकन

जागरण संवाददाता, लखनऊ : आप जिस रचना को बना रहे हैं उसमें खुद को खोजिए, क्योंकि कोई कृति तभी सफल है, जब आप उसमें स्वयं हों। नकल नहीं, मौलिकता पर फोकस करें। यह भी ध्यान रखें, आपकी रचना में भारतीयता और भारतीय संस्कृति की झलक भी हो। कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय प्रो. आलोक कुमार राय ने शुक्रवार को विद्यार्थियों ये मंत्र दिए। मुख्य अतिथि प्रो. राय कला एवं शिल्प महाविद्यालय के 112वें स्थापना दिवस पर कालेज परिसर में आयोजित काव्रक्रम में बोल रहे थे।

विशिष्ट अतिथि प्रमुख सचिव समाज कल्याण डा. हरिओम ने समय की शिला पर मधुर चित्र कितने किसी ने बनाए किसी ने मिटाए... इस पंक्ति के साथ डा. हरिओम ने विद्यार्थियों को समझाया कि चित्रकारी एक सृजन है। अगर आप अंधेरे का भी चित्र बनाते हैं तो उसमें रोशनी देखनी चाहिए। उन्होंने सृजन में रचना में नवीनता पर जोर देते हुए कहा कि नकल की हुई कृति कितनी ही अच्छी ही क्यों न हो वह मूल कृति को पछाड़ नहीं सकती। विशिष्ट अतिथि दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि इस महाविद्यालय की यात्रा अभी तक शानदार रही है। आगे का सफर और अच्छा हो, इसके लिए निरंतर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि कला एवं शिल्प को लेकर गोरखपुर विश्वविद्यालय और इस महाविद्यालय को साथ लाने के लिए वह प्रयास करेंगी। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. रतन कुमार ने स्वागत भाषण दिया। सपना बाजपेयी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुति देते तुषार व योगिता ● जागरण

आर्ट कालेज के स्थापना दिवस पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन करते लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति आलोक कुमार राय ● जागरण

कार्यक्रम में रंगोली बनाते उज्ज्वल, श्वेता, दिव्या व प्रदर्शनी में हर्षित व खुशबू द्वारा बनाए गए कैमरे को देखते छात्र ● जागरण

कला और शिल्प ने मोहा मन

महाविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों ने कला और शिल्प के हुनर का प्रदर्शन किया। प्रो. आलोक कुमार राय, प्रो. पूनम टंडन ने इनका अवलोकन किया। उन्होंने अच्छा कार्य करने वाले विद्यार्थियों की प्रशंसा की तो कुछ को अच्छे विषय चुनने की सीख भी दी। कई विद्यार्थियों ने बेहतरीन रंगोली बनाई, इनमें देवी-देवता, संस्कृति, प्रकृति की आदि झलक थी। आरती यादव की टीम रंगोली में इसरो और मिसाइल मैन डा. एपीजे अब्दुल कलाम को प्रदर्शित किया। राज सिंह की टीम ने शक्ति स्वरूपा की प्रतिकृति बनाई। विद्यार्थियों ने चित्रों में भारतीय संस्कृति और प्रकृति के साथ ही कई विषयों को दर्शाया। कुछ चित्रों में श्रीलंका की संस्कृति की छाप भी नजर आई।

स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते विवेकानंद और वर्षा ● जागरण

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

पुण्य स्मरण

महाविद्यालय में कला के दर्शन

लखनऊ (एसएनबी)। कला एवं शिल्प महाविद्यालय, लखनऊ विश्वविद्यालय के 112वें स्थापना दिवस के तीन दिनी कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय तथा विशेष अतिथि प्रो. पूनम टंडन कुलपति डीडीयू.. गोरखपुर विवि तथा डॉ. हरिओम प्रमुख सचिव समाज कल्याण ने किया। छात्रों ने सभी अतिथियों का तिलक किया। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति आलोक कुमार राय और डॉ. पूनम टंडन द्वारा सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार ने छात्रों से उनकी कृतियों में भारतीयता का समावेश करने का मार्गदर्शन दिया। डॉ. पूनम टंडन ने छात्रों को अपने जीवन में अनुसरण करने का सुझाव दिया। समारोह के उपरान्त डॉ. सपना बाजपेई ने धन्यवाद ज्ञापन कर सभी अतिथियों को महाविद्यालय के छात्रों द्वारा आयोजित कला प्रदर्शनी के अवलोकन के लिए आमंत्रित किया। छात्रों की कलाकृतियों को देख सभी अतिथिगण काफी प्रभावित हुए तथा उन्हें शुभकामनाएं देकर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रदर्शनी के बाद छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति हुई।

कुलपति ने किया कला प्रदर्शनी का उद्घाटन

कला एवं शिल्प महाविद्यालय का 112वां स्थापना दिवस

PIONEER PAGE 3

कृतियां मूल कृति हों किसी का अनुकरण न होः डॉ. हरिओम

लखनऊ। कला एवं शिल्प महाविद्यालय, लखनऊ विश्वविद्यालय के 112वें स्थापना दिवस के तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारम्भ शुक्रवार को हुआ। कार्यक्रम के पहले दिन का शुभारम्भ संयुक्त रूप से विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय तथा विशेष अतिथि प्रो पूनम टंडन कुलपति, डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय तथा डॉ हरिओम, प्रमुख सचिव समाज कल्याण ने किया। स्थापना कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्रवक्ता आलोक कुमार ने अतिथियों का मंच पर स्वागत किया। इस अवसर पर बोलते हुए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने छात्रों से उनकी कृतियों में भारतीयता का समावेश करने का मार्गदर्शन दिया। विशेषके सम्बन्ध में डॉ हरिओम ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि उनकी कृतियाँ मूल कृति हों किसी का अनुकरण न हो। इसी से उपरोक्त तथ्यों को डॉ पूनम टंडन जी ने छात्रों को अपने जीवन में अनुसरण करने का सुझाव दिया। इन सुझाओं को छात्रों ने बड़ी तन्मयता से सुना। उद्बोधन समारोह के उपरान्त डॉ सपना बाजपेई ने धन्यवाद ज्ञापन कर सभी अतिथियों को महाविद्यालय के छात्रों द्वारा आयोजित कला प्रदर्शनी के अवलोकन हेतु आमंत्रित किया। छात्रों की कलाकृतियों को देखकर सभी काफी प्रभावित हुए तथा उन्हें शुभकामनाएं देकर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रदर्शनी अवलोकन के बाद छात्रों द्वारा रंगारंग और सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति सम्पन्न की गयी।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

लखनऊ आर्ट्स कॉलेज के 112वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बोलते वीसी आलोक राय

TOI PAGE 2

Foreign students' creative splash wins hearts

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The campus of Arts College, Lucknow University on Friday gave the vibes of an international artists' conclave with creative painting, murals and sketches made by foreign students winning all hearts.

For the first time in 112 years history of the college, around 10 foreign students from Sri Lanka, Mauritius, Bangladesh, Kazakhstan and Iran have displayed their artwork during an exhibition to celebrate the 108th foundation day of the college.

Foreign students said it was love for Lucknow's historical monuments, Lalit Kala Akademi and Arts College which made them choose India as their higher education destination.

FOUNDATION DAY OF ARTS COLLEGE

A PhD student of sculpture, EM Mahesh Chathuranga from Sri Lanka and his wife, an MFA student TM Udeshika Sulochani said: "Lucknow is very popular back home for Lalit Kala Academy, monuments and culture. We are fine arts teachers by profession and a teacher loves to learn from a place which is known for his or her subject."

Chaturanga said: "My work has a sketch of a fish, lotus and musical instruments like sitar and tabla. All these things give the feel of Indian and Lucknow."

A beautiful amalgamation of Indian classical dance, vehicles on roads and others made with sketches depicting Mauritius culture was displayed by Master of Visual Arts student Himesh Baboolall.

"For us, Lucknow means creativity and art. The historical buildings of Arts College, Rumi Darwaza and others are an architectural marvel and an excellent a work of art," he said.

Lankan Bachellor of Visual Arts ftudent HM Akalanka Herath Bandara, MVA student HR Minoth Madusanka, K Mathiskumar and HKA Venura Dilshanka de Silva said Lucknow holds a special place in the world of arts and culture which is the reason it is attracting foreign students.

"Several noted artists have been nurtured by Arts College which made me choose Lucknow," said Sudipta Ray, a student of Master of Visual Arts from Bangladesh. College principal Ratan Kumar said: "Earlier one or two foreign students used to take admission at our college but now it has become the choice of many. It is a reflection on our growing popularity."

V Sunil

CREATIVITY CANVAS Students of Lucknow University's Arts College displayed painting, murals and sketches as they celebrated the college's 108th foundation day on Friday